दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin
बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०१ वा | शनिवार ७ मार्च २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

एस.आई.आर. प्रक्रिया में लापरवाही से मतदाताओं के अधिकार प्रभावित होने की आशंका

बीड (प्रतिनिधि) - मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) की प्रक्रिया में यदि लापरवाही के कारण भारतीय नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हट जाते हैं तो इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? यह सवाल मुक्त पत्रकार एस. एम. यूसुफ और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता तथा उद्योजक रमेशराव गंगाधरे ने जिलाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त को भेजे गए निवेदन में उठाया है।

निवेदन में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के स्पेशल इंटेन्सिव रिविजन (SIR) की प्रक्रिया चल रही है, जिसकी अंतिम तिथि ३१ मार्च २०२६ तय की गई है। इस निर्धारित समय में से अब तक ६ दिन बीत चुके हैं और केवल २५ दिन ही शेष रह गए हैं। लेकिन लगभग एक सप्ताह गुजरने के बावजूद इस कार्य के लिए नियुक्त किए गए बूथ लेवल अधिकारी (BLO) अभी तक शहर के विभिन्न भागों या नागरिकों तक नहीं पहुंचे हैं।

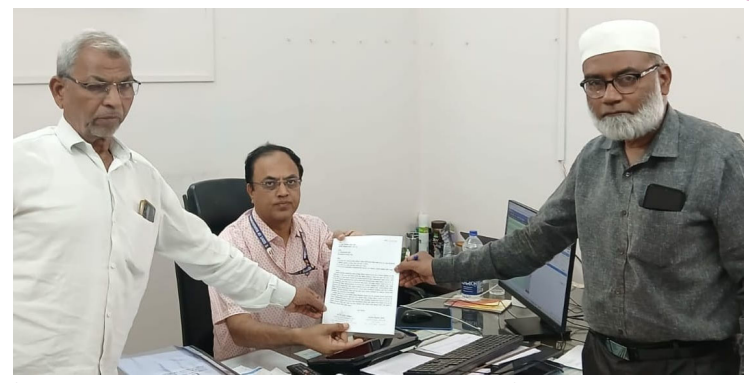

निवेदन में यह भी प्रश्न उठाया गया

है कि पिछले ६ दिनों से नियुक्त बीएलओ आखिर क्या कर रहे हैं। यदि उनकी लापरवाही या कामचोरी के कारण डखठ प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाते हैं, उनका मतदान का अधिकार छिन जाता है या उनकी नागरिकता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी - भारत निर्वाचन आयोग, जिला प्रशासन या संबंधित बीएलओ?

निवेदन में कहा गया है कि यदि यह प्रक्रिया सही तरीके से लागू नहीं की गई और नई मतदाता सूची से लोगों के नाम हट गए, तो इसका नुकसान सीधे आम मतदाताओं को उठाना पड़ेगा। इसलिए प्रशासन और बीएलओ की लापरवाही के कारण किसी भी भारतीय नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो तथा कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे।

इसी को ध्यान में रखते हुए निवेदन में मांग की गई है कि स्पेशल इंटेन्सिव रिविजन (SIR) की अवधि बढ़ाई जाए। साथ ही लापरवाही करने वाले बीएलओ को नागरिकों तक अनिवार्य रूप से पहुंचने का निर्देश दिया जाए और उसकी सख्ती से निगरानी की जाए। इसके अलावा किस क्षेत्र में किस बीएलओ की नियुक्ति की गई है, उसका नाम और मोबाइल नंबर सार्वजनिक करने की भी मांग की गई है।

यह मांग मुक्त पत्रकार एस. एम. यूसुफ और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेशराव गंगाधरे ने अपने निवेदन के माध्यम से की है।

किसानों को २ लाख रुपये तक कर्जमाफी; बजट में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की घोषणा

जमीर काज़ी
मुंबई (प्रतिनिधि)

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए घोषणा की कि ३० सितंबर तक बकाया फसल ऋण वाले किसानों का २ लाख रुपये तक का कर्ज माफ किया जाएगा।

यह घोषणा उन्होंने २०२६-२७ के राज्य बजट को प्रस्तुत करते समय की। इस योजना का नाम पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर किसान कर्जमाफी योजना रखा गया है। इसके तहत किसानों को अधिकतम २ लाख रुपये तक की कर्जमाफी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि जो किसान नियमित रूप से अपना कर्ज चुकाते हैं, उन्हें ५० हजार रुपये का प्रोत्साहन अनुदान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि यह बजट प्रगतिशील, शाश्वत, सर्वसमावेशी और सुशासन इन चार स्तंभों पर आधारित है तथा इसमें १६ उपक्षेत्रों को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि बजट पेश करते समय उनका मन भारी था, क्योंकि लंबे समय तक वित्त विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले और कई बार उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार अब हमारे बीच नहीं हैं। अजित पवार ने ११ बार राज्य का बजट पेश किया था। उनकी स्मृति में राज्य में एक भव्य स्मारक बनाया जाएगा और गतिमान नागरी सेवा पुरस्कार शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री लाडकी बहिण योजना अगले वित्तीय वर्ष में भी जारी रहेगी और इसके लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में फिलहाल ३७ लाख लखपती दीदी हैं और आगे २५ लाख और महिलाओं को लखपती बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

कृषि का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि कई बार बैंकों की ओर से गलत जानकारी दी जाती है और कुछ लोग सरकारी निधि का दुरुपयोग करने के लिए पुराने या निष्क्रिय खातों का इस्तेमाल करते हैं।

ऐसी धोखाधड़ी को रोकने के लिए राज्य सरकार १०० प्रतिशत एग्री-स्टैक (-सीळ-डींरलज्ञ) विकसित कर रही है। यह कृषि से संबंधित एक व्यापक डिजिटल रिकॉर्ड होगा, जिसमें किसान पंजीकरण, भूमि स्वामित्व रिकॉर्ड, ७/१२ उतारा और आधार आधारित सत्यापन को एकीकृत किया जाएगा।

बजट पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ

विकसित महाराष्ट्र की दिशा में सर्वसमावेशी बजट - सुनेत्रा पवार

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि राज्य का बजट विकसित महाराष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ने वाला दूरदर्शी और सर्वसमावेशी बजट है।

उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट को अजित दादा पवार को समर्पित करना उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि बजट में किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और आम नागरिकों को केंद्र में रखकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। विशेष रूप से किसान कर्जमाफी का निर्णय किसानों के लिए बड़ा राहत पैकेज है।

इसके साथ ही कृषि क्षेत्र को मजबूत करने, बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यटन, उद्योग और सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

सामाजिक संवेदनशीलता और विकास का संतुलन - एकनाथ शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पेश किया गया बजट ग्रामीण और शहरी महाराष्ट्र के संतुलित विकास की दिशा में एक दूरदर्शी बजट है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ किसानों को कर्जमाफी और लाडकी बहिण योजना जैसी सामाजिक योजनाओं का प्रावधान किया गया है, वहीं दूसरी ओर राज्य के गांवों और शहरों को बेहतर तरीके से जोड़कर अर्थव्यवस्था को गति देने की योजना बनाई गई है।

शिंदे ने कहा कि अहिल्यादेवी होळकर किसान कर्जमाफी योजना के तहत २ लाख रुपये तक की कर्जमाफी महायुति सरकार का बड़ा और ऐतिहासिक फैसला है।

कर्ज लेकर पटाखे फोड़ने वाला बजट - उद्धव ठाकरे

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बजट की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों का सातबारा साफ नहीं किया।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसानों की सर्वसामान्य कर्जमाफी की थी। वर्तमान बजट कर्ज लेकर पटाखे फोड़ने जैसा है।

ठाकरे ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में किसानों का कर्ज माफ करना चाहती है तो पात्र और अपात्र का खेल नहीं खेलना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि बजट में २०४७ का बार-बार उल्लेख किया गया है, लेकिन यह कर्जमाफी कब तक पूरी होगी, इसकी स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बजट में की गई घोषणाओं के लिए धन कहां से आएगा, यह भी सरकार को बताना चाहिए।

केवल बड़े आंकड़े और खोखली घोषणाएं - हर्षवर्धन सपकाल

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि इस बजट में केवल बड़े आंकड़े और खोखली घोषणाएं हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य पर कर्ज का भारी बोझ डाल दिया है और ४० हजार करोड़ रुपये के घाटे वाला यह बजट महाराष्ट्र को आर्थिक संकट की ओर ले जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में महानगरों के बड़े प्रोजेक्ट जैसे मेट्रो, बुलेट ट्रेन और सुरंग मार्गों पर ज्यादा जोर दिया गया है, जबकि गांवों, गरीबों, आदिवासियों और बेरोजगार युवाओं के लिए ठोस योजना नहीं है।

उद्योगपतियों और ठेकेदारों के हित का बजट - विजय वडेट्टीवार

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने बजट की आलोचना करते हुए कहा कि यह बजट केवल शब्दों और आंकड़ों का खेल है।

उन्होंने कहा कि यह बजट पूरे महाराष्ट्र के बजाय केवल मुंबई और एमएमआर क्षेत्र पर केंद्रित लगता है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए इसमें पर्याप्त प्रावधान नहीं हैं। वडेट्टीवार ने कहा कि सरकार राज्य को कर्ज के बोझ में धकेल रही है और इससे केवल ठेकेदारों और उद्योगपतियों को लाभ होगा, जबकि आम जनता को इसका फायदा नहीं मिलेगा

ईरान-इज़राइल तनाव का असर: अदाणी टोटल गैस ने औद्योगिक गैस की कीमतें तीन गुना बढ़ाईं

नई दिल्ली (रिपोर्ट): मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और समुद्री आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते जोखिम का असर अब भारत के गैस बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (-TGL) ने औद्योगिक ग्राहकों के लिए गैस की कीमतों में भारी वृद्धि करते हुए दरें लगभग तीन गुना तक बढ़ा दी हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंपनी ने औद्योगिक उपयोग के लिए गैस की कीमत करीब ४० रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़ाकर लगभग ११९ रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर कर दी है। यह फैसला वैश्विक स्तर पर एलएनजी (Liquefied Natural Gas) की आपूर्ति में आई बाधाओं और बढ़ती लागत के कारण लिया गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण खाड़ी देशों से आने वाली गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। कई ऊर्जा कंपनियों को अब स्पॉट मार्केट से महंगी गैस खरीदनी पड़ रही है, जिससे औद्योगिक गैस की कीमतों में तेज उछाल आया है।

हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल घरेलू झछऋ और वाहनों में उपयोग होने वाली उछऋ की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर तत्काल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

बीड़ जिले के भूमिपुत्र डॉ. आशिष बांगर की संकल्पना से पुणे में कैंसर अस्पताल

बीड़ द्धसंवाददाता

जिले की एक जिला परिषद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की पारिचारिका उषा नागरगोजे (सिस्टर) के पुत्र डॉ. आशिष बांगर ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते हुए गरीब और आम लोगों के लिए किफायती कैंसर अस्पताल पुणे में शुरू किया है। इस पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

सी.ओ.सी. (क्रिस्टल ऑन्को केयर) कैंसर सेंटर - एक दिवसीय निदान की अनूठी व्यवस्था

यह अस्पताल सी.ओ.सी. कैंसर केयर (उ्रीूीींरश्र जपले उरीश) के नाम से जाना जाता है। यहां एक ही दिन में कैंसर का निदान किया जाता है और उसी दिन या अधिकतम २४ घंटे के भीतर उपचार की पूरी योजना तैयार कर दी जाती है। डॉ. आशिष बांगर की इस विशेष संकल्पना के कारण यह केंद्र दुनिया का एकमात्र ऐसा कैंसर सेंटर माना जा रहा है।

भारत में मुंह का कैंसर विश्व स्तर पर सबसे अधिक पाया जाता है, जबकि स्तन कैंसर और अन्य कई कैंसर भी आम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर की गांठ या घाव का पता चलने में औसतन ३-४ सप्ताह लग जाते हैं, जबकि शहरों में भी २ सप्ताह तक का समय लग सकता है। इस देरी के कारण शुरुआती चरण का कैंसर अंतिम चरण में पहुंच सकता है।

सही निदान और समय पर उपचार की अहमियत

कैंसर के इलाज में सटीक निदान और उचित समय पर उपचार सबसे महत्वपूर्ण हैं। कई बार सीटी, एमआरआई या अल्ट्रासाउंड में दिखाई देने वाली गांठ का बायोप्सी नमूना नकारात्मक (निगेटिव) आ जाता है, लेकिन कैंसर विशेषज्ञों द्वारा दोबारा जांच जरूरी होती है। यदि यह जांच समय पर न हो तो शुरुआती कैंसर तेजी से फैल सकता है। सी.ओ.सी. सेंटर में विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में यह प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है।

चाैकट : बायोप्सी के बाद गांठ का तेजी से बढ़ना

कुछ मामलों में बायोप्सी (टुकड़ा निकालने) के बाद गांठ बहुत तेजी से बढ़ने लगती है। इसलिए निदान के तुरंत बाद उपचार शुरू करना सबसे बेहतर विकल्प है। इसी उद्देश्य से सी.ओ.सी. कैंसर सेंटर में एक दिन में निदान और अगले दिन से उपचार शुरू करने की व्यवस्था की गई है। सभी को इस केंद्र का लाभ उठाना चाहिए।

उचित और बहु-विषयक उपचार की सुविधा

सही निदान के बाद उपचार का निर्णय (शल्य चिकित्सा, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी) अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तीनों प्रकार के कैंसर विशेषज्ञों (सर्जिकल, मेडिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट) की संयुक्त बैठक से लिया जाता है। अधिकांश कैंसर सेंटर्स में ये तीनों विशेषज्ञ एक साथ मिलना मुश्किल होता है और मिलें भी तो कई दिनों बाद। लेकिन सी.ओ.सी. में ये विशेषज्ञ प्रतिदिन उपलब्ध रहते हैं और चर्चा करते हैं।

टीम के प्रमुख विशेषज्ञ:

डॉ. आशिष बांगर (संस्थापक एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट)

डॉ. भूषण भळगट

डॉ. उत्कर्ष आजगेकर (कैंसर सर्जन)

डॉ. सिद्धेश त्र्यंबके (कीमोथेरेपी एवं इम्यूनोथेरेपी)

डॉ. नीरज धिंग्रा (रेडिएशन थेरेपी)

यह पूरी टीम तत्पर रहती है और मरीजों को तेज एवं प्रभावी उपचार प्रदान करती है।

पता:

क्रिस्टल ऑन्को केयर (सी.ओ.सी.) कैंसर सेंटर

ऑफिस नंबर ६, पहली मंजिल, समर्थ कैरिना कमर्शिया,

गंगा आशियाना रोड, चिंचवड, पुणे।

संपर्क नंबर: +९१ ८७८८४ ११४८२

सभी मरीजों और उनके परिवारों को इस उन्नत कैंसर सेंटर का लाभ उठाने की सलाह दी जाती है। (उपचार से पहले डॉक्टर से व्यक्तिगत परामर्श अवश्य लें।)

रोटरी इंटरनॅशनल स्थापना दिवस पर उमापूर विद्यालय में सुंदर हस्ताक्षर प्रतियोगिता आयोजित

गेवराई (प्रतिनिधि : काझी अमान) – जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय, उमापूर में रोटरी क्लब ऑफ गेवराई के तत्वावधान में मराठी भाषा गौरव दिवस तथा रोटरी इंटरनॅशनल स्थापना दिवस के अवसर पर सुंदर हस्ताक्षर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता २८ फरवरी २०२६ को विद्यालय परिसर में संपन्न हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के मुख्याध्यापक मनोजकुमार ठाकूर ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी क्लब के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र बरकसे, सचिव प्रविण जैन, प्रोजेक्ट चेयरमैन धर्मराज करपे तथा प्रो. रामप्रभू मुंडे उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत कवि कुसुमाग्रज और रोटरी संस्थापक पॉल हैरिस की प्रतिमा के पूजन से की गई।

प्रतियोगिता के संदर्भ में भगवान फुंदे ने प्रस्तावना रखते हुए रोटरी क्लब द्वारा आयोजित इस उपक्रम की

सराहना की। रोटरी क्लब के सचिव प्रविण जैन ने रोटरी संस्था की स्थापना और उसके उद्देश्यों की जानकारी दी।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सुंदर हस्ताक्षर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कक्षा ६वीं से ९वीं तक के कुल १०३ विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्राथमिक समूह में
पूजा विश्वंभर क्षीरसागर (प्रथम), ईश्वरी विलास पोपळघट (द्वितीय), आदिती संतोष राऊत (तृतीय) रही,

जबकि उत्तेजनार्थ तनुष्का उमाकांत सांगुळे को पुरस्कार मिला।

माध्यमिक समूह में
अर्पिता रामेश्वर त्रिंबके (प्रथम),
अनुष्का उमाकांत सांगुळे (द्वितीय),
धनश्री शंकर पाखरे (तृतीय) रही,

जबकि उत्तेजनार्थ भक्ति धर्मराज कातखडे और शीतल अनुष्का आत्माराम कातखडे को पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की सफलता के लिए रोटरी क्लब के प्रोजेक्ट चेयरमैन धर्मराज करपे, प्रो. रामप्रभू मुंडे, रामकिशन लड्डा, राजेंद्र डेंगे, रामदास शिंदे, डॉ. राम दातार, डॉ. मुकेश कुचेरिया, डॉ. प्रदीप राठोड, डॉ. जगदीश पोतदार सहित विद्यालय के शिक्षक भगवान फुंदे, विलास आहेर, किशोर भोंडवे, लक्ष्मीकांत साळवे, गणेश पाचर्णे तथा अन्य शिक्षक-कर्मचारियों ने विशेष परिश्रम किए।

बिजली पोल लगाने के विवाद में ठेकेदार पर हमला

गेवराई (संवाददाता): तालुका के देवपिंपरी क्षेत्र में बिजली के पोल लगाने के काम को लेकर हुए विवाद में एक ठेकेदार पर पत्थर से हमला कर उसे घायल कर दिया गया। यह घटना ५ मार्च को हुई। इस मामले में गेवराई पुलिस थाने में एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता मंगेश शिवाजी बरगे (उम्र २७ वर्ष, निवासी गणेशनगर, गेवराई) ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से ठेकेदारी पद्धति से सड़कों के किनारे बिजली के पोल लगाने का काम करते हैं। फिलहाल पांढरवाडी फाटा से चकलंबा रोड पर बिजली के पोल लगाने का काम चल रहा है।

५ मार्च की सुबह करीब १० बजे उन्होंने चार मजदूरों को देवपिंपरी क्षेत्र में काम के लिए भेजा था। दोपहर करीब २ बजे ठेकेदार मंगेश बरगे काम का निरीक्षण करने वहां पहुंचे। इसी दौरान अमोल वशिष्ट गवारे (निवासी देवपिंपरी, ता. गेवराई) वहां आया और रोड के पोल हमारे खेत के किनारे मत लगाओ, कहकर विवाद करने लगा।

शिकायत के अनुसार जब बरगे ने उसे बताया कि यह सरकारी काम है, तो उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी ने हाथ में लिए पत्थर से बरगे के सिर के बाईं ओर कान के पास वार कर उन्हें घायल कर दिया।

इतना ही नहीं, वहां मौजूद मजदूर विठ्ठल महादेव पिंपळे, वशिष्ट बाबू पिंपळे और बाबुराव मच्छिंद्र चौधरी (सभी निवासी चव्हाणवाडी, ता. गेवराई) के साथ भी लात-घूंसों से मारपीट कर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

घायल बरगे को उनके साथियों ने तुरंत पुलिस थाने पहुंचाया, जहां से उन्हें उपचार के लिए उपजिला अस्पताल, गेवराई भेजा गया। इलाज के बाद उन्होंने गेवराई पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

इस मामले में अमोल वशिष्ट गवारे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

ड्राइवर के खाना खाने जाने का फायदा उठाकर ट्रैक्टर चोरी

बीड (संवाददाता): धारूर-केज रोड पर ड्राइवर के होटल में खाना खाने जाने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने ट्रैक्टर चोरी कर लिया। यह घटना ४ मार्च की रात हुई। इस मामले में धारूर पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता संकेत उमेश इचके (उम्र २० वर्ष, निवासी उपली, तहसील वडवणी) ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि वे बालासाहेब मोहन बडे के स्वामित्व वाले महिंद्रा कंपनी के 'न्यूवा अर्जुन ६०५' (क्रमांक चक-२१ उऋ-५११२) ट्रैक्टर पर ड्राइवर के रूप में काम करते हैं।

४ मार्च को गावंदरा शिवार में बिभीषण मोहन बडे के खेत से गन्ना ट्रेलर में भरकर वे कारखाने की ओर जा रहे थे। रात करीब १० बजे वे केज रोड स्थित होटल राहुल के सामने पहुंचे। उस समय ड्राइवर और उसके साथी भोजन करने के लिए होटल में चले गए।

करीब १०:३० बजे भोजन कर बाहर आने पर पता चला कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने ट्रेलर की पिन निकालकर ट्रैक्टर का हेड अलग किया और ट्रैक्टर को केज की दिशा में लेकर फरार हो गए। ड्राइवर और उसके साथियों ने कुछ दूरी तक ट्रैक्टर का पीछा भी किया, लेकिन चोर फरार हो गए।

इसके बाद ट्रैक्टर के मालिक बालासाहेब बडे को इसकी सूचना दी गई। शिकायत में बताया गया है कि चोरी हुए ट्रैक्टर की कीमत करीब ९ लाख रुपये है।

इस मामले में धारूर पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

सौ. के.एस.के. महाविद्यालय के छात्र का 'विकसित भारत: यूथ पार्लियामेंट' के लिए चयन

बीड (प्रतिनिधि) – भारत सरकार की 'विकसित भारत २०२६' की संकल्पना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से बीड के श्री बंकटस्वामी महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय 'यूथ पार्लियामेंट' (युवा संसद) प्रतियोगिता में सौ. केशरबाई सोनाजीराव क्षीरसागर उर्फ काकू कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

महाविद्यालय के छात्र सिद्धार्थ श्रीकिसन वाघमारे का इस प्रतिष्ठित उपक्रम के लिए चयन किया गया है।

युवा पीढ़ी को संसद की कार्यप्रणाली की जानकारी हो तथा देश की नीतियों के निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़े, इस उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत का रोडमैप', 'प्रौद्योगिकी और युवा शक्ति' तथा 'सतत विकास' जैसे विषयों पर अपने

विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए।

चयन प्रक्रिया में वक्तृत्व कौशल, समूह चर्चा और विषय के गहन ज्ञान को प्रमुख मानदंड माना गया। इस प्रक्रिया में महाविद्यालय के छात्र सिद्धार्थ वाघमारे ने सहभागिता दर्ज कराई और उनका चयन किया गया। चयनित विद्यार्थी अब आगे राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विद्यार्थी की इस उपलब्धि पर संस्था के सचिव डॉ. योगेश क्षीरसागर, सहसचिव डॉ. दीपा क्षीरसागर, प्रशासकीय अधिकारी डॉ. सुधाकर गुट्टे, डॉ. विश्वंभर देशमाने, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवानंद क्षीरसागर, उपप्राचार्य डॉ. संजय पाटील देवळानकर, उपप्राचार्य डॉ. अनिता शिंदे, डॉ. खान ए.एस., डॉ. नारायण काकड़े, प्रा. जालिंदर कोळेकर, डॉ. पद्माकर ससाणे, डॉ. सतीश माऊलगे, डॉ. सय्यद इमाद, डॉ. पल्लवी इलापल्ले तथा डॉ. श्रीमंत तोंडे ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा, हमारे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

इस सफलता के लिए विभाग प्रमुख एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यादव घोडके का विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। छात्र की इस उपलब्धि की सभी स्तरों पर सराहना की जा रही है।

युपीएससी सिविल सेवा परीक्षा २०२५ में ५३ मुस्लिम उम्मीदवार सफल-मेहनत, शिक्षा और नई उम्मीद की मिसाल

नई दिल्ली (रिपोर्ट): संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने ६ मार्च २०२६ को सिविल सेवा परीक्षा २०२५ का अंतिम परिणाम घोषित किया, जिसमें कुल ९५८ उम्मीदवारों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं के लिए चयनित किया गया। इन सफल उम्मीदवारों में ५३ मुस्लिम युवाओं ने भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की, जो शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती भागीदारी का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि UPSC को भारत की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में गिना जाता है। इस परीक्षा में हर साल लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं, लेकिन अंतिम सूची में बहुत कम अभ्यर्थी जगह बना पाते हैं।

रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष के परिणाम में चार मुस्लिम उम्मीदवारों ने टॉप-१०० की सूची में स्थान बनाया, जिनमें ए. आर. राजा मोहिद्दीन, इफ़्रा शम्स अंसारी, नबिया परवेज़ और हसन खान शामिल हैं। इनकी सफलता ने युवाओं के बीच नई प्रेरणा पैदा की है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में मुस्लिम युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता और तैयारी का रुझान बढ़ रहा है। कोचिंग संस्थानों, शैक्षणिक संगठनों और समाज के शिक्षित वर्ग द्वारा दी जा रही मार्गदर्शन और सहायता का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है।

साल २०२४ के परिणामों में जहां लगभग २६ मुस्लिम उम्मीदवार सफल हुए थे, वहीं इस बार संख्या बढ़कर ५३ तक पहुंचना एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि समुदाय के भीतर शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी की इच्छा लगातार बढ़ रही है।

शिक्षाविदों का मानना है कि यदि इसी तरह शिक्षा, मार्गदर्शन और प्रतियोगी माहौल को बढ़ावा दिया जाता रहा, तो आने वाले वर्षों में और अधिक मुस्लिम युवक-युवतियां IPS, IPS और अन्य केंद्रीय सेवाओं में चयनित होकर देश की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

युवाओं की यह सफलता न केवल उनके परिवारों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा भी है कि मेहनत, लगन और सही दिशा में प्रयास से देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में भी सफलता हासिल की जा सकती है।

جمعیۃ علماء مہاراشٹر کی دردمندانہ اپیل

مجبوروں، مظلوموں اور بے گناہ نوجوانوں کی رہائی اور سیلاب وفرقہ وارانہ فسادات سے تباہ حال مسلمانوں کی بازآبادکاری میں جمعیۃ علماء مہاراشٹر کی مدد فرمائیں

جمعیۃ علماء مہاراشٹر روز اول سے غریبوں یتیموں، بیواؤں، محتاجوں، ضرورت مندوں، سیلاب وفسادات سے متاثرہ لوگوں اور تباہ حال مسلمانوں کی مالی امداد کررہی ہے حضرت مولانا سید محمود اسعد مدنی صاحب (صدر جمعیۃ علماء ہند) کی نگرانی میں ملت اسلامیہ کی فلاح وبہبود اوران کے حقوق کے تحفظ کے لئے گراں قدر خدمت انجام دے رہی ہے پرخاص طور پر بے گناہ نوجوانوں کو با عزت مقام دلانے، اور رہاء کرانے کے لئے بھرپور جد وجہد کررہی ہے، جس کی وجہ سے سینکڑوں نوجوانوں اوران کے افراد خاندان کو اطمینان وسکون کے ساتھ سماج میں باعزت زندگی گذارنے کا موقع مل رہا ہے۔ مہاراشٹر میں اقلیتوں کے تئیں تیزی سے بڑھتی نفرت اور فرقہ پرستی کے روک تھام کے سلسلے میں پروگراموں کا انعقاد کیا گیا ● مختلف اضلاع میں منعقدہ جلسہ سیرۃ النبی ﷺ واصلاح معاشرہ میں سادگی سے نکاح کرنے ● موبائل کے غلط استعمال سے روکنے جہیز مخالف پروگرام ● دینی تعلیمی بیداری مہم اور ووٹرلسٹ اندراج بیداری مہم چلائی گئی ● مالیگاؤں کے سرسید نگر میں آگ متاثرین کی مدد کی گئی ● ضلع آکولہ میں 360 سے زائد بیواؤں میں راشن کٹس تقسیم کی گئی ● مساجد، مدارس اور دیگر عبادت گاہوں کے کاغذات درست کرنے کی مہم چلائی گئی ● 18 دسمبر 2025 کو اقلیتی دن کی مناسبت سے ریاست بھر میں کلکٹر اور تحصیلدار کو میمورنڈم دیا گیا ● شہر سلوڑ ضلع اورنگ آباد اور شہر مالیگاؤں ضلع ناسک میں جمعیۃ علماء مہاراشٹر کی مجلس منتظمہ کا اجلاس منعقد کیا گیا ● جمعیۃ علماء کے زیر اہتمام اورنگ آباد، جالنہ، بیڑ، شیگاؤں ضلع بلڈانہ، بودھڑ ضلع جلگاؤں، ریسوڑ ضلع واشم، امراوتی، ساور ضلع ایوت محل، چندر پور، بھنڈارہ ناگپور و دیگر مقامات پر اراکین جمعیۃ کے لئے تربیتی اجلاس منعقد کئے گئے ● اسی طرح مہاراشٹر بھر میں قائم جمعیۃ علماء کی یونٹیں مضبوط منظم باثر خدمت گار ادارے کی حیثیت سے اپنی اپنی ذمہ داریوں کو بحسن وخوبی انجام دے رہی ہیں۔ اس کے علاوہ ملک وملت اور عوام کے کاز کے لئے حکومتوں سے نمائندگی کرکے کئی اہم مسائل حل کئے گئے جس میں خطیر رقومات خرچ ہوئی ہیں۔

اپیل اہل خیر حضرات سے دردمندانہ اپیل ہے کہ رمضان المبارک کے مقدس مہینے میں زکوۃ، صدقات، عطیات کے ذریعہ **جمعیۃ علماء مہاراشٹر** کا زیادہ سے زیادہ تعاون فرماکر ثواب دارین حاصل کریں۔

جمعیۃ علماء مہاراشٹر
کے اکاؤنٹ میں رقومات آن لائن جمع کریں۔
Account Name: Jamiat Ulama -I- Maharashtra
Account No.: 917010047364747
Bank Name : Axis Bank Ltd.
IFS CODE : UTIB0000465
Lamington Road Branch Mumbai

تعاون کرنے والے حضرات اپنا نام، پتہ، ٹرانزیکشن سلیپ کے ساتھ کوئی ایک آئی ڈی پروف درج ذیل نمبرات پر واٹس ایپ کریں، انشاء اللہ رسید بھیج دی جائے گی۔

جمعیۃ آفس: 022-23712323 / 9930523437 | ندیم ملک (آفس) 8082126426
مولانا سہیل احمد قاسمی (آرگنائزر) 9167989203 | مولانا محمد ارشد قاسمی (آرگنائزر) 8355913598

اپیل کنندگان
● مولانا حافظ محمد ندیم صدیقی صاحب (صدر جمعیۃ علماء مہاراشٹر) 9422657332
● مولانا محمد ابراہیم شولاپوری صاحب (جنرل سیکریٹری جمعیۃ علماء مہاراشٹر) 9657780686
● قاری محمد ایوب اعظمی صاحب (خازن جمعیۃ علماء مہاراشٹر) 9822825083
مفتی سید محمد حذیفہ قاسمی صاحب (ناظم تنظیم جمعیۃ علماء مہاراشٹر) 9320205777

شائع کردہ **جمعیۃ علماء مہاراشٹر** ۷۷ رزین العابدین بلڈنگ شاپ نمبر ۷ ابراہیم رحمت اللہ روڈ بھنڈی بازار ممبئی ۴۰۰۰۰۳

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com